प्रकीर्ण साहित्य

शब्द कोशे 'प्रकीर्ण' कर माने हे, छितराइल, पसरल, विविध रूप, ई सबद सब बिसेसन रूपे हे। साहित्य कर पहिले (सुरूञ) जोड़ल से 'प्रकीर्ण साहित्य' सबद बनल हे। 'प्रकीर्ण साहित्य' लोक साहित्य कर एगो अंग लागे जकर खास माइन (महत्व) हे, मेनेक प्रकीर्ण साहित्य कर भीतरे लोक साहितेक जोन अंग के राखल गेल, ऊ हे – लोकोक्ति (काभइत/कहावत/ पटतइर), मुहाबरा (आह्ना), पहेली (बुझवल), मंत्र (मंतर) आर खेल गीत। ई सब मानुस जिनगीञ रेडियो धर्मी किरण' नीयर प्रभाव डाल हे। ई सब सूरूजेक किरिन नीयर हर जगन पसरल हे। मंतर के छोइड़ के खास कइर के लोकोक्ति, मुहाबरा आर पहेली, जिनगीक अनुभव से उपजल हे। एकर परम्परा ढेइर पुरना (अति प्राचीन) हे। ई सब मौखिक परम्पराञ कंठ–व–कंठ चलइत आइ रहल हे। शिष्ट साहित्य में एकर लिखित रूप पावल जाहे।

1. लोकोक्ति (काभइत/कहावत)

परिचय

लोकोक्ति सबद लोक+उक्ति से बनल हे, जकर माने हेल लोकेक उक्ति बा कथन। लोकोक्तिक अरथ 'पूर्ण आर स्वतंत्र' रह हे। एकर प्रयोग पटतइर (दृष्टान्त) रूपे देल जाहे। से ले खोरठाञ रकरा पटतइरो कहल जाहे। अइसे काभइत/कहावत/कहबी ई सब नामो पावल जाहे। जइसे – ''एका पूता चुके मूता'' माने बा भाव हेल एक लउता बेटा बेसी बदमासी कर हे।

लोकोक्तिक बिसेसता

लोकोक्तिञ बा काभइतें हेठे लिखल बिसेसता पावल जाहे –

1. **गगरे सागर भरेक खेमोटा (क्षमता)** – हिन्दीञ जकरा गागर में सागर भरेक छमताक बात कहल जाहे, ऊ गुन लोकोक्ति) हे। काहे कि लोकोक्ति छोट–छोट हेवहे आर स्वतंत्र अरथ (माने) राख हे, मगुर भाव एकर बड़ा गंभीर हेवहे, विशाल हेवहे। जइसे– 'ददाक भरोसे कतारी', तुरी गेल आपन लुरी' एकर में अरथ वा भाव 'लक्षणा' शब्दशक्ति से लगवल जाहे।
2. **लोकोक्ति अनुभूतिक उपज** – मानुस आयन जिनगीञ जे अनुभव कहल हे, देखल आर सुनल हे, ओकर से जे सीखल ओहे काभइत (लोकोक्ति) बनल आर पटतइर रूपे अचके मुँह से बहराइ जाहे। सेइ ले एकरा अनुभूतिक उपज (प्रसूत) कहल जाहे।
3. **लोकोक्ति लोक साहितेक नीतिशास्त्र** – कहल जाहे कि लोकोक्ति नीतिशास्त्र लागे। ककरो कुछ सिखावेक हे इया सीख दियेक हे तो लोकोक्तिक प्रयोग करल जाहे, एहे ले एकरा लोक साहितेक नीति–शास्त्र कहल जाहे।
4. **लोकोक्तिक भासा सहज आर सरल** – लोकोक्तिक भासा एकदम सहज आर सरल हे, सेइले एकरा सोब कोइ आसानी से समइझ जा हे।
5. **लोकोक्तिक रूप पद्यात्मक आर तुकान्त** – लोकोक्तिक रूप पइद रूपे तुकान्त हेवहे इया सरल (सीधा) वाइके हेवहे। इयानि दुइयो रकमेक पावाहे। जइसे – 'तुरी गेल, आपन लुरी' हियां तुरी आर लुरी में तुक हे, 'एका पूता चुके मूता' पइद रूपेहे, हियां पूता आर मूता में तुक हे मगुर 'ददाक भरोसे कतारी' में तुक नखे आर ना ई पइद रूपे हे, मेन्तुक ई सरल वाइके हे।

6. **लोकोक्ति पटतइर रूपे प्रयोग** – लोकोक्तिक माने स्वतंत्र हे, से ले लक्षणा से पटतइर (दृष्टान्त) रूपे एकरा कहल जाहे।
7. **लोकोक्तिक प्रयोग सलाठन रूपे** – सलाठन (उलाहना) खोरठाञ व्यंग्य (फिंगाठी) रूपे कहल जाहे इयानि देल जाहे। जखन ककरो पर व्यंग्य करल जा हे तो सलाठन में लोकोक्तिक प्रयोग हेवहे।

लोकोक्तिक माइन–महातम (महव)

गानुसेक जिनगीञ लोकोक्तिक माइन–महातम बगरा हे, देदार हे, ई लोक जिनगीक नीतिशास्त्र लागे। लोके जहाँ ककरो कुछ सीख दियेक बात आवहे, ओकर मुँह से अनायास लोकोक्ति बहराइ जाहे। ककरो सलाठन देवेक रह हे तखनो लोकोक्तिए बहराहे। लोकोक्ति सुइन के कतेक झन में सुधार आइ जाहे, जइसे – 'एका पूता चुके मुता' तब कहल जाहे जब एकलउता बेटा दुलारे बेसी बदमासी कर हे, मगुर ओकर में सुधार आइ जाहे तो बोड़ बाढ़ल बादे ओकर खातिर कहल जा हे 'एकला पूत बिरइस्पइत' मेनेक सोब रकमें निपुन (सर्वगुण सम्पन्न)। 'बाँस बोने डोम काना' तब कहल जाहे जब दोकानदार गहकी पासे ढेइर कपड़ा राइख हे, तो बाछे में गहकी के दिकइत हेवहे। 'लिलियावल कुकुर सिकार नाञ करे' ई काभइत तखन कहल जाहे, जखन कतनो कहल बादे छउवा नाञ पढ़े, मेनेक एकर खातिर आपन जिगिस्ता चाही बिना जिगिस्ता के कोनो काम नाञ हेवहे।

ई नीयर काभइतेक माध्यमे समाज के सुधारवे में खास जोगदान हे, लोकेक पासे अइसन हजारो काभइत हे, जकर समय सिरे सही जगहें आपने आप (अनायास) निकइल जाहे।

पटतइर रूपे कुछ काभइत हेठे देल जाइ रहल हे। :–

	काभइत	**माने**
1.	अघन सुखे फुलल गाल पेफइर बहुरिया ओहे हाल	थोरे दिनेक सुख
2.	अजवाइर बनिया फेइर फेइर तउले	बिना कामेक काम
3.	अजवाइर सुखे गदहा मेलान	बिना कामेक काम
4.	अनकर चुका, अनकर घी पाँडे बापेक लागत की?–	सवारथी
5.	अनकर फिकिरे बुड़बक मोरे	परोपकारी
6.	अनकर धने विक्रम राजा	परेक धने नितराएक
7.	अधकिक नउवा बांसेक नरहइनी	नवसिखुआ
8.	अन्धराक जइसन दिन वइसन राइत	गरीबेक सोब दिन एक
9.	आगु नाथ ना पीछे पगहा	बेसहारा
10.	आपन सोचो परेक नाचो	अपसवारथी
11.	आम कर आम आर गुठलीक दाम	दोहरा लाभ
12.	आझुक बनिया काइलेक सेठ	अचके धनगर हेवेक
13.	ओर ना पुथान	बिना ओर–छोर के
14.	ओहरीक काम दोहरी	दोसर से करल काम से नुकसान
15.	उपरे बइगन चाक चिकन	दिखावटी
16.	उपरे राम–राम बगल में छुरी	धोखेबाजी
17.	एका पूता चुके मुता	दुलार से सइतानी करेक
18.	एक आँइखे काजर, एक आँइखे धुरा	बेइमानी
19.	एक जोल्हा से बजार नाञ लागे	बड़ काम एक झन से ना हेवे
20.	एक बेटी तेलाइ पेटी	दुलरइती

21. एके छुराक मुड़ाइल — एके रकमेक सोभाव
22. एक बेटा बिरहस्पइत — एकलउता गुनगर बेटा
23. एगो हर्रय गोटे गाँव खोखी — कीमती चीज
24. करिया आखर भंइस बराबइर — अनपढ़
25. कानी गाय बामन दान — फालतु चीजेक दान
26. कानी गायेक फरके बथान — अपस्वार्थी
27. काड़ा बिनु हार नाञ — बुढ़ाक माइन
28. काठ छिलले चिकन, बात छिलले रूखड़ — बात बढ़इले झगरा
29. काँखे छउवा टोले ढिढ़ोरा — पासेक चीजके अनते खोजेक
30. कायाक सुख पेटेक दुख — गात के सुख देले दुख
31. कोर्ही सुते ओर्ही बेर्ही सियान सुते भोरसी भोरी — कोर्ही अदमी
32. कुकुरेक पेटे घीव नाञ पचे — बात नाञ पचवे
33. खटके तो चाबबे — मेहनइत करले खाय पावेक
34. खाय ले खुदी नाञ पादे ले भुसा — सुखल फूटानी
35. खेत खाय गदहा माइर खाय जोल्हा — बिना दोसे माइर खाय
36. खिस खाय कपार बुइध खाय संसार — खिस से हानि हेवेक
37. गरजे से बइरसे नाञ — ढेइर बोलवइया से काम नाञ हेवे
38. गाछे कठर ओठे तेल — नितराएक
39. गुर खाय गुलगुला से परहेज — पाखंडी
40. गुरा फूटले दुख बिसरे — दुख मेटाइल बादे भुलाएक
41. गुरू गुड़ चेला चीनी — गुरू से चेला दोबर
42. गुमुन मुही / मुहा सरबंस खाय — मौनी से गलत काम हेवेक
43. गोइंठा में घीव सुखावेक — अयोग्य पर खरच
44. घार–घार देखा एके लेखा — हर घारेक एके कहनी
45. घार फूटे गंवार लूटे — घारेक मत बेंड़ाले कमजोरो बलगर
46. घारे भुंजी भाँग नाञ मइयाँ पादे चिउरा — सुखल फटानी
47. घारेक ढेकी कुम्हइर — आपन चीज के बोड़ कहेक
48. घारेक भेदी लंका ढाहे — आपने अदमी से हानि हेवेक
49. घारे भात तो बाहइरे भात — घारे खाइ के चलेक
50. घारेक मुरगी दाइल बराबइर — घारेक चीजेक माइन नाञ
51. चलल के चालीस बुइध — धन रहले बुइध बहराइ
52. चलतीक नाम गाड़ी — चलले गाड़ी नाञ तो बेकार
53. चलबे सादा निभे बाप–दादा — सादगी जीवन
54. चट मंगनी पट बिहा — जल्दी काम उसारेक
55. चाइर दिनेक चांदनी — थोरे दिनेक सुख
56. चाइर मिली करी काज हारले–जितले नखे लाज
57. चासा चिन्हाय आइरे, तांती चिन्हाय पाइरे — काम से पछान
58. चाम चिकन की काम चिकन — कामेक माइन
59. चोर के चालीस बुइध — चोर बेसी चालाक
60. चोर चोर मोसीयत भाइ — एके नीयर हेवेक
61. चोरी आर सीना जोरी — दोस कइरके बलजोरी करेक

62. छिटकल पानी बझवल बात असत्य
63. छिटवा से इंचुवा बइसुवा से गरइया बिन कमइले पावेक
64. छुछा के केउ नाञ पूछा गरीबेक माइन नाञ
65. छोट मुँह बड़ बात सीमा से बेसी बोलेक
66. जइसन देस वइसन भेस ठाँवेक अनुसारे रहेक
67. जकर खाय तकर गाय खाइल कर गुन गावेक
68. जकर बांदर सेइ नचावे मालिकेक बसे रहेक
69. जकर रोटी मल मल रोवे फकीर ठइक ठइक खाय– परखउका
70. जान ना पछान, हाम तोर मेहमान जबरदस्ती माइन खोजेक
71. जकर चुवे से छाने आपन काम आपने करेक
72. जे रूचे से पचे रूचिक मुताबिक काम
73. जीते जुठा नाञ खाय, मोरले सती जाय पतियावन
74. जोगी के बरद बलाय फालतु चीज
75. जउ संगे गहुम पिसाइ दोसीक संगे निरदोसीक दंड
76. डाइनों छोड़िक एक धर निरदयो के दया आवेक
77. ड्हर चल संग लगाय के, काम कर अंग लगाय के नुकसान से बचेक
78. ढेइर चिकनीक जाइत नाञ ढेइर कमनीक भात नाञ चिकनी आर कमनी कर गुन
79. तीनो तिरलोक देखेक ढेइर दुख देखेक
80. तुरी मोरे आपन लुरी आपन गुने नास
81. तुरूत दान महाकलियान जल्दी काम
82. तेलगर मुड़े तेल सामरथ के माइन
83. तेली कर तेल जरे आर मसालदारेक अंतर फाटे– दोसर कर खरच पर डाह करेक
84. थीर पानी पथर काटे धीरज धरले काम बनेक
85. थूक से सतुवा सानेक कंजुसी करेक
86. ददाक भरोसे कतारी दोसर पर भरोसा करेक
87. दुधारी गायेक लाइतो सवाद लाभ दिवइयाक बात सहाय
88. देखले छोंडी समधीन लाभ दिवइयाक बात सहाय
89. देसी कुकुर बिलइती भासा फूटानी देखवेक
90. दूरेक ढोल सुहान लागे दुरेक अदमीक माइन
91. दुसमन के ऊँच पीर्हा दुसमन के माइन दियेक
92. दोस्ती के कुस्ती दोस्त से झगरा
93. धरम करे से धक्का पावे धरम करले दुख पावेक
94. धरले चोर नाञ तो गगाय मोर नाञ धराले बेकार
95. धेबीक गदहा, ना घर के ना घाट केकहुँक नाञ
96. नउवा सीखे गवारेक मुंडे कमजोर से काम सीखेक
97. निबराक मउगी सबकर भउजी कमजोरेक चीज पर सोबके दावा
98. निरधनिया धनदेखे, दिने देखे तारा अचके धन देखले उबके
99. नाम गहगह फेचा राजा नामेक मुताबिक काम नाज
100. नाचे ना जाने आंगन टेढ़ बहाना करेक
101. नाम ऊँच काम बुच बोड़कर छोट काम
102. नरको में ठेला–ठेली गलतो जगह धकामुकी

103. ना मामाक काना मामा नाहीक जगन थोरेक माइन
104. नामी बनियाक बात बिकाय सामरथ कर सब सही
105. नावाँ मदारी होरहोरवा साँप नवसिखुआ
106. पइसा ना कउड़ी बीच बजार में दउड़ा दउड़ीबिना काचाक कोसिस
107. परेक पेछउरी लेल हिछउरी दोसर के धने नाञ रहेक चाही
108. पेट कुहकुह माथाञ पूफल सुखल फूटानी / ढढ़नच
109. पीठे माइर मुँहे चुम्मा फुसलावेक
110. पाँचों अंगरी बराबइर नाञ सोब बराबइर नाञ
111. पाँचो अंगरी घीव में लाभे लाभ
112. पानीञ रइहके मगर से बइर पासेक लोक से दुसमनी
113. पाथर सीझे नाञ मुरूख बोझे नाञ नासमझ
114. पोसले कुकुर कटाहा कृतघ्न
115. पोड़ल घावे निमक दियेक दुखी के आरो दुख दियेक
116. पइरकल बभना घुइर घुइर अंगना ललचाहा
117. पेटे परल खुदी तब आवे बुधि पेट भोरल्ही बुइध आवे
118. फकट लाल गिरधारी, लोटा ना थारी गरीबलोक (अभावग्रस्तलोक)
119. फेइर मुंडला / मुंडली बेल तर चोट खाइल बाद चेतेक
120. बाघेक अगुआ फेकाइर दलाल
121. बाभनेक खेती सबइ कर जोति नवासिखुआक काम
122. बाँस बोने डोम काम ढेइर देखले चिन्हे में भूल करेक
123. बाभन नाचे गोवार देखे बोड़ेक, छोट रीझ देखे
124. बुढ़ कउवा पोस नाञ माने बोड लोक बात नाञ माने
125. बेल पाकल तो कउवाक बापेक की? परेक चीज पर धेयान दिएक
126. बोड़–बोड़ दादा बोहाइ गेल, गदहा कहे कते पानी– छोट से बोल अजमावेक
127. भाय भाय ठाँइ ठाँइ भाय–भायें झगरा हेवेक
128. भरल भादो सुखल जेठ सोब दिन एक नीयर
129. भागल भूतेक लंगोटी भल नाहीक जगन थोरक ठीक
130. भोजेक पहर कोंहड़ा आखरी पहर तइयारी
131. मन बाँटे से चाटे सोंचल पूरा नाञ हेवेक
132. मंगनीक बरदेक दाँत नाञ देखल जाय बिना दामेक चीज
133. माछी खोजे घाव, अदमी खोजे दाव अवसरवादी
134. माघेक जाड़ बाघ नीयर माघे बेसी जाड़ लागे
135. मुरदारेक चुइल चोंथले की हलुक हेवे दुखीक दुख नाञ घटे
136. मोरले बइद बिकले गंहकी काम बहराइल बादे आवेक
137. मुँहे गुर पीठे छूर धोखेबाज
138. मेहमानों चिन्हें बिहनेक धान मेहमान के सतकार
139. राजा के मोतियाक दुख तालेबरेक कमी नाञ
140. राजा जोरे साझा, माहतो संग पसेरी बोड से दोस्ती
141. राजा गेल बाहइर, रानी पाकइल छटक मालिक घारे नाञ रहेक
142. राजा गेल घार जन्दे तन्दे हार मालिक नाञ रहले काम बेंड़ाइ
143. राजाक पान घटे तो घटे एकर नाञ घटे कमी नाञ हेवेक चाही

144. रिन कइरके काने सोना गरीबेक ढढ़नच
145. लंगट बेस, झंझट नाञ झंझट से गरीबी बेस
146. लिलियावल कुकुर सिकार नाञ करे उकसावले काम नाञ हेवे
147. सराहल बहुरिया डोम घार सराहल छउवा बेंडाय जाय
148. सस्ता रोवे बार–बार, महंगा रोवे एके बार सस्ता से महंगा बेस
149. साँपों माराय आर लाठियो नाञ टूटे आसानी से काम हेवेक
150. सांगी भेड़ी पिलुवाइ मोरे ढेइर से काम बेंडाइ
151. सौ चोट सोनार के, एक चोट लोहार के सब बातेक एक बात
152. सोब धन बाइस पसेरी छोट–बोड़ सोब बराबइर
153. सुअइरेक लेढ लीपे ना पोते बेकार चीज (निकृष्ट)
154. सोझा के बोझा सीध के ढेइर काम दिएक
155. हरदीक रंग बिदेसिक संग काचा (अस्थायी) दोस्ती
156. हाथ कंगन के आरसी का पक्का सबूत
157. हाटे पावल कमार, फार पाइज दे हमार अवसरवादी
158. हारे तो हुर जीते तो थूर सोब तरह से परेसान करेक
159. हुरसएक पिंधना ढीढा ऊपर फूटानी / ढढ़नच